उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित

एल. टी. ग्रेड

भर्ती परीक्षा

वाणिज्य

सॉल्वड पेपर

एवं

प्रैक्टिस बुक

व्याख्या सहित हल

प्रधान सम्पादक

ए. के. महाजन

सम्पादन एवं संकलन

एल.टी. परीक्षा विशेषज्ञ समिति

कम्प्यूटर ग्राफिक्स

बालकृष्ण, चरन सिंह

संपादकीय कार्यालय

12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002

9415650134

Email : yctap12@gmail.com

website : www.yctfastbooks.com/www.yctbooks.com/www.yctbooksprime.com

© All rights reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा

प्रधान सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने E:Book by APP Youth Prime BOOKS, से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव एवं सहयोग सादर अपेक्षित है।

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

विषय-सूची

■ उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एल.टी. ग्रेड-परीक्षा, 2018 वाणिज्य व्याख्या सहित हल 3-25

■ उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (LT Grade) वाणिज्य प्रैक्टिस सेट-1 व्याख्या सहित हल 26-43

■ उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (LT Grade) वाणिज्य प्रैक्टिस सेट-2 व्याख्या सहित हल 44-59

■ उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (LT Grade) वाणिज्य प्रैक्टिस सेट-3 व्याख्या सहित हल 60-75

■ उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (LT Grade) वाणिज्य प्रैक्टिस सेट-4 व्याख्या सहित हल 76-92

■ उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (LT Grade) वाणिज्य प्रैक्टिस सेट-5 व्याख्या सहित हल 93-108

■ उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (LT Grade) वाणिज्य प्रैक्टिस सेट-6 व्याख्या सहित हल....109-124

■ उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (LT Grade) वाणिज्य प्रैक्टिस सेट-7 व्याख्या सहित हल 125-142

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एल.टी. ग्रेड–परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम

परीक्षा हेतु 150 वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रश्नों वाला एक प्रश्नपत्र होगा। जिसका प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का होगा। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1/3 (0.33) अंक दण्ड के रूप में काटा जायेगा।

उक्त प्रश्नपत्र दो भागों में होगा।

प्रथम भाग– सामान्य अध्ययन – 30 प्रश्न (वस्तुनिष्ठ प्रकार) **द्वितीय भाग–** मुख्य विषय – 120 प्रश्न (वस्तुनिष्ठ प्रकार)

कुल प्रश्नों की संख्या – 150 **परीक्षा अवधि–** 2 घंटे (120 मिनट).....पूर्णांक 150

विषय–वाणिज्य

1. **<u>Accountancy</u>:** Concept and Principles; Double Entry System – Journal, Ledger, Trial Balance, Final Accounts with adjustment entries, Partnership-Admission, Retirement and Death Accounts, Company Accounts – Types of shares, Accounting for issue and forfeiture of shares, Royalty, Hire Purchase and Departmental Accounts.
2. **<u>Business Organization and Management</u>:** Meaning and nature of Trade and Commerce, Forms of Business Organization – Sole Trader, Partnership and Company. Nature and functions of marketing, Indigenous and Foreign trade, Management – nature, scope and principles, Contributions of F.W. Taylor and Henry Fayol, Functions of management – Planning, organizing, staffing, Directing and Controlling, Business environment – Economic, Social, Political and Cultural.
3. **<u>Business Economics</u>:** Concept and Scope, Demand Curve analysis, Elasticity of Demand, Marginal utility, Total and Law of diminishing marginal utility, Laws of returns, Price determination under perfect competition and monopoly, Trade cycle, Population theories. Indian Economy – position, problems and suggestions.
4. **<u>Money and Banking</u>:** Definition, scope and functions of Money, Importance of money in capitalistic and socialistic economy, Gresham's Law, Quantity theory of money, Inflation and deflation, Types of Banks, Functions of Commercial Banks and Reserve Bank of India, Digital and E-Banking.
5. **<u>Statistics</u>:** Meaning, scope and importance, Collection, Classification and Tabulation of data, Measures of Central Tendency- Mean, Median and Mode, Measurement of Dispersion.
   <u>Auditing</u>: Definition, objectives and importance of auditing, Meaning, types and importance of Vouching, Procedures of vouching of primary books.

1– **लेखांकन–** अर्थ, सिद्धान्त और मान्यताएं, दोहरा लेखा प्रणाली–जर्नल लेजर, तलपट, अन्तिम खाते समायोजन प्रविष्टियों सहित, साझेदारी प्रवेश, अवकाश एवं मृत्यु खाते, कम्पनी खाते–अंशों के प्रकार, अंशों का निर्गमन एवं हरण लेखांकन अधिकार शुल्क किराया क्रय पद्धति एवं विभागीय खाते।

2– **व्यवसाय संगठन एवं प्रबन्ध–**व्यापार एवं वाणिज्य का आशय एवं प्रकृति, व्यवसाय संगठन के स्वरूप-एकल, साझेदारी एवं कम्पनी, विपणन की प्रकृति एवं कार्य, देशी एवं विदेशी व्यापार, प्रबन्ध-प्रकृति क्षेत्र एवं सिद्धान्त, एफ डब्ल्यू टेलर एवं हेनरी फेयोल का योगदान, प्रबन्ध के कार्य-नियोजन, संगठन, स्टाफिंग, निर्देशन एवं नियंत्रण। व्यवसाय पर्यावरण-आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक।

3– **व्यावसायिक अर्थशास्त्र–**अवधारणा एवं क्षेत्र, माँग वक्र विश्लेषण, माँग की लोच, सीमान्त उपयोगिता, कुल उपयोगिता एवं सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम, उत्पत्ति के नियम, उत्पादकता नियम, पूर्ण प्रतियोगिता एवं एकाधिकार के अन्तर्गत मूल्य निर्धारण, व्यापार चक्र, जनसंख्या का सिद्धान्त, भारतीय अर्थव्यवस्था-स्थिति, समस्या एवं सुझाव।

4– **मुद्रा एवं बैंकिंग–**मुद्रा की परिभाषा, क्षेत्र एवं कार्य, पूंजीवादी एवं समाजवादी अर्थव्यवस्था में मुद्रा का महत्व, ग्रेशम का नियम, मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त, मुद्रास्फीति एवं संकुचन, बैंक के प्रकार, वाणिज्यिक बैंक एवं रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया के कार्य, डिजिटल बैंकिंग एवं ई-बैंकिंग।

5– **सांख्यिकी–**अर्थ, क्षेत्र एवं महत्व, आंकड़ों का संग्रहण, वर्गीकरण, केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप-माध्य, माध्यिका, बहुलक, अपकिरण की माप।

6– **अंकेक्षण–**अंकेक्षण की परिभाषा, उद्देश्य तथा महत्व, प्रमाणन का अर्थ, प्रकार एवं महत्व, प्रारम्भिक बहियों के प्रमाणन की विधि।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एल.टी. ग्रेड परीक्षा, 2018

वाणिज्य

व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र

1. Unpaid calls are
अदत्त याचनाएँ

(a) added in called-up capital
मॉंगी गयी पूँजी में जोड़ी जाती हैं
(b) deducted from called-up capital
मॉंगी गयी पूँजी में से घटाई जाती है
(c) deducted from profit/लाभ में से घटायी जाती है
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : अदत्त याचनाएँ (Unpaid Calls), मॉंगी गयी पूँजी में से घटाई जाती है। जब कुछ अशंधारी याचना किया हुआ धन कम्पनी को नहीं देते है, तो जो रकम उनके द्वारा भुगतान होने से रह जाती है, उसे अवशिष्ट याचना कहा जाता है। इस खाते के शेष को चिट्ठे में दायित्व की ओर पूँजी में से घटाकर दिखायी जाती है।

2. A department transferred goods to B department at cost + 25%. Out of it, stock of ₹ 10,000 remains with B department. Therefore, the amount of stock reserve will be
A विभाग ने लागत + 25% पर माल का अन्तरण B विभाग को किया। इसमें से ₹10,000 का स्टॉक B विभाग में बच जाता है। अत: स्टॉक संचय की राशि होगी

(a) ₹ 2,500 (b) ₹ 2,000
(c) ₹ 3,000 (d) ₹ 3,500

Ans. (b) : A विभाग ने लागत + 25% पर माल का अन्तरण B विभाग को किया। इसमें से ₹10,000 का स्टॉक B विभाग में बच जाता है, तब -

स्टॉक संचय की राशि $= \frac{10,000 \times 25}{100 + 25}$

$= ₹2000$

3. Hire-purchase price of a machinery is ₹30,000 and its cash price is ₹24,000. Payment is to be made in three equal installments. State the interest of second installment.
एक मशीन का किराया-क्रय मूल्य ₹30,000 है और रोकड़ मूल्य ₹24,000 है। भुगतान तीन समान किस्तों में होना है। द्वितीय किस्त का ब्याज बताइए।

(a) ₹ 1,500 (b) ₹ 3,000
(c) ₹ 2,000 (d) ₹ 2,400

Ans. (c) : एक मशीन का किराया क्रय मूल्य 30,000 है और रोकड़ मूल्य 24,000 है। भुगतान तीन समान किश्तों में होना है, तब-

कुल ब्याज राशि = किराया क्रय मूल्य - रोकड़ मूल्य

= 30,000- 24000

= ₹6,000

किश्त की राशि समान होने तथा समय समान होने पर- (ब्याज को विपरीत अनुपात 3:2:1 में बाँटा जाता है।)

अत:

द्वितीय किश्त का ब्याज $= \frac{6,000 \times 2}{6}$

$= ₹2,000$

4. The balance of Short workings A/c is shown in
लघुकार्य खाता की बची हुई राशि दिखायी जाती है

(a) Assets side of Balance sheet
आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में
(b) Liabilities side of Balance sheet
आर्थिक विट्ठे के दायित्व पक्ष में
(c) Debit side of Profit & Loss A/c
लाभ-हानि खाते के डेबिट पक्ष में
(d) Credit side of Profit & Loss A/c
लाभ-हानि खाते के क्रेडिट पक्ष में

Ans. (c) : लघुकार्य खाता की बची हुई राशि को लाभ-हानि खाते के डेबिट पक्ष में दिखाया जाता है। लघुकार्य राशि को अधिकार शुल्क की अधिक राशि में से अपलिखित (Write off) करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि इसकी उतनी ही राशि अपलिखित की जाय जिससे कि अधिकार शुल्क की राशि न्यूनतम किराए की राशि से कम न हो जाय। जब लघुकार्य राशि को अपलिखित करने की निर्धारित अवधि समाप्त हो जाती है, तो लघुकार्य राशि खाते की बाकी को, यदि कोई हो, लाभ-हानि खाते में हस्तान्तरित कर दिया जाता है।- यथा-

Profit & Loss A/c Dr.
To Short workings A/c
(Being unrecouped balance of Shortworking transferred to P/L A/c)

5. In partnership, unrecorded liability is shown in new Balance Sheet in
साझेदारी में, अलिखित दायित्व को नये आर्थिक चिट्ठे में दिखाया जाता है

(a) Assets side/सम्पत्ति पक्ष में
(b) Liabilities side/दायित्व पक्ष में
(c) Both sides/दोनों पक्षों में
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : साझेदारी में, अलिखित दायित्वों के भुगतान को यदि साझेदारी का विघटन हो रहा हो तो वसूली खाते में दिखाया जाता है। ये ऐसे दायित्व होते हैं, जिसका लेखा समापन के समय चिट्ठे में नही है, परन्तु समापन के दौरान, किसी पहले मुकदमें के समापन के समय निर्धारित होने के क्रम में वह फर्म का दायित्व बन जाये। जैसे- संदिग्ध दायित्व (Contingent Liability) अथवा विवादास्पद भुगतान के दावे आदि।
परन्तु प्रश्न में ऐसा कहीं भी इंगित नहीं है कि साझेदारी का समापन हो रहा है। अत: सामान्य अवस्था में यदि कोई ऐसा दायित्व प्रकट होता है जो आर्थिक चिट्ठे में इंगित नहीं है तो उसे साधारण रूप से आर्थिक चिट्ठे के दायित्व पक्ष में इंगित किया जायेगा।

6. Profit or loss on revaluation will be borne by
पुनर्मूल्यांकन पर लाभ या हानि को वहन किया जायेगा
(a) all the partners/सभी साझेदारों द्वारा
(b) the new partners/नये साझेदारों द्वारा
(c) the old partners/पुराने साझेदारों द्वारा
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : पुनर्मूल्यांकन पर लाभ या हानि को पुराने साझेदारों द्वारा वहन किया जाता है। नये साझेदार के प्रवेश पर तथा पुराने साझेदार के जाने पर या किसी साझेदार की अवकाश पर हमेशा फर्म की सम्पत्तियों और दायित्वों का पुनर्मूल्यांक कर लाभ या हानि निकाली जाती है, जिसे पुराने साझेदारों के पूँजी खातों को लाभालाभ अनुपात में हस्तान्तरित कर दिया जाता है। इसके लिए एक खाता बनाया जाता है। जिसे पुनर्मूल्यांकन खाता या लाभ-हानि समायोजन खाता कहा जाता है।

7. If closing stock is shown in Trial Balance, then is should be shown in
यदि अन्तिम रहतिया तलपट के अन्दर दिखाया गया हो, तो उसे दिखाया जायेगा
(a) Trading A/c/व्यापार खाता में
(b) Balance Sheet/आर्थिक चिट्ठे में
(c) Cash A/c/रोकड़ खाता में
(d) Profit & Loss A/c/लाभ-हानि खाता में

Ans. (b) : यदि अन्तिम रहतिया तलपट के अन्दर दिखाया गया हो, उसे आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष की ओर दिखाया जाता है। कभी-कभी अन्तिम रहतिया तलपट के अन्दर दिया रहता है। इसका आशय है कि इसका मूल्यांकन वर्ष की समाप्ति होने से पहले किया जा चुका है और यह राशि क्रय की राशि में से घटायी जा चुकी है। ऐसी दशा में क्रय समायोजित (Purchuse Adjusted) की राशि तलपट में दी रहती है। ऐसी दशा में उसे केवल आर्थिक चिट्ठे में सम्पत्ति पक्ष की ओर लिखा जाता है।

8. Income is measured on the basis of
आय मापी जाती है
(a) dual aspect concept/द्विपक्ष अवधारणा के आधार पर
(b) consistency concept
एकरूपता अवधारणा के आधार पर
(c) matching concept
अनुरूपता अवधारणा के आधार पर
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : आय अनुरुपता की अवधारणा के आधार पर मापी जाती है। लेखांकन के लिए अनुरुपता की अवधारणा आवश्यक है। इसका अर्थ यह हुआ कि शुद्ध लाभ का निर्धारण तभी ठीक हो सका है, जब जिस अवधि के लिए व्ययों को लिखा जाता है, आय की गणना सही-सही करने के लिए उसकी अनुरुपता व्ययों के सामान्य अवधि के लिए होना आवश्यक है। इसी सिद्धान्त का पालन करते हुए लेखपाल अदत्त व्ययों को जोड़ते है एवं पूर्वदत्त व्ययों को घटाते है। ठीक इसी तरह अर्जित आय जोड़ी जाती है और अनार्जित आय घटायी जाती है। इससे एक लेखांकन अवधि का शुद्ध लाभ ज्ञात करने में आसानी होती है।

9. A trader transfers 20% of his profit to General Reserve. On the basis of which concept, he does so?
एक व्यापारी अपने लाभ का 20% भाग सामान्य संचय में अन्तरित करता है। ऐसा वह किस अवधारणा के आधार पर करता है?
(a) Concept of conservatism
रूढ़िवादिता की अवधारणा
(b) Concept of uniformity/एकरूपता की अवधारणा
(c) Realization concept/वसूली की अवधारणा
(d) Money-measurement concept
मुद्रा-मापन की अवधारणा

Ans. (a) : एक व्यापारी अपने लाभ का 20% भाग सामान्य संचय में अन्तरित करता है, तो ऐसा वह रुढ़िवादिता का अवधारणा के आधार पर करता है। सामान्य शब्दों में रुढ़िवादी प्रथाओं का आशय उन प्रथाओं से है, जिनके अन्तर्गत भविष्य में होने वाली हानियों के लिए प्रावधान और संचय किया जाता है, किन्तु लाभ के लिए नहीं। सामान्य संचय का निर्माण ऐसे ही हानियों से बचने के लिये किया जाता है।

10. Transactions recorded on the basis of dual aspect concept is called
द्विपक्षी अवधारणा पर आधारित व्यवहारों के लेखा करने की प्रणाली कहलाती है
(a) Single-entry System/इकहरा लेखा प्रणाली
(b) Double-entry System/दोहरा लेखा प्रणाली
(c) Double Account System/दोहरा खाता प्रणाली
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : द्विपक्षीय अवधारणा पर आधारित व्यवहारों का लेखा करने की प्रणाली को दोहरा लेखा प्रणाली (Double Entry System) कहते है। लेखांकन की इस अवधारणा के अनुसार प्रत्येक सौदा दो खातों को प्रभावित करता है। इस प्रणाली में एक पक्ष को डेबिट तथा दूसरे पक्ष को क्रेडिट किया जाता है। व्यवसाय के सभी सौदे इस अवधारणा के आधार पर ही लिखे जाते है। इस अवधारणा के जनक ल्युकस पेसीयोली थे।
Note-
सम्पत्तियाँ = पूँजी + दायित्व

11. **Which of the following accounts is Nominal A/c?**
निम्नलिखित में से कौन-सा नाममात्र खाता है?
(a) Interest A/c/ब्याज खाता
(b) Accrued Interest A/c/उपार्जित ब्याज खाता
(c) Outstanding Interest A/c/अदत्त ब्याज खाता
(d) Prepaid Interest A/c/पूर्वदत्त ब्याज खाता

Ans. (a) : अवास्तविक खाते को नाम मात्र या आय-व्यय खाता भी कहा जाता है। ये खाते व्यापार के व्ययों एवं आयों अथवा लाभ-हानि से सम्बन्ध रखते है। वेतन खाता, मजदूरी खाता, कमीशन खाता, बट्टा खाता, बीमा प्रीमियम खाता तथा ब्याज खाता इत्यादि नाम मात्र खाता की श्रेणी में आते है।
जबकि उपार्जित ब्याज खाता, उदत्त ब्याज खाता तथा पूर्वदत्त ब्याज खाता इत्यादि व्यक्तिगत खाता के उदाहरण है।

12. **Recoupable short working are shown in the Balance Sheet as**
पुन:प्राप्तियोग्य लघुकार्य आर्थिक चिट्ठे में दिखाया जाता है।
(a) current assets/चालू सम्पत्ति की तरह
(b) fixed assets/स्थायी सम्पत्ति की तरह
(c) fixed liabilities/स्थायी दायित्व की तरह
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : पुन: प्राप्ति योग्य लघुकार्य राशि को आर्थिक चिट्ठे में चालू सम्पत्ति की तरह दिखाया जाता है।
जब अधिकार शुल्क की राशि न्यूनतम किराए की राशि से अधिक हो तब यदि लघुकार्य राशि के अपलिखित किए जाने की व्यवस्था हो तो जिस लघुकार्य राशि के अपलिखित किए जाने की व्यवस्था है, उसे शोधनीय लघुकार्य राशि या पुन: प्राप्तियोग्य लघुकार्य राशि (Redecmable or Recoupable Shortworing) कहा जाता है।

13. **A Ltd. forfeited 500 shares of M of ₹10 each fully called-up for non-payment of first call of ₹ 2 per share and final call of ₹ 2 per share. 300 of these shares were reissued at ₹ 9 per share, fully paid-up. What amount will be transferred to the Capital Reserve A/c?**
A लि. ने M के प्रति अंश ₹10 वाले पूर्ण याचित 500 अंश प्रथम माँग ₹2 एवं अन्तिम माँग ₹2 के भुगतान न होने के कारण हरण कर लिये। इन अंशों में से 300 को प्रति अंश ₹9 पूर्णदत्त पर पुन: जारी किया गया था। पूँजी संचय खाते में कितनी राशि अन्तरित की जायेगी?
(a) ₹ 2,000 (b) ₹ 1,200
(c) ₹ 1,500 (d) ₹ 1,800

Ans. (c) : अंशों के हरण से सम्बन्धित लेखे -

Share Capital A/c	Dr.	5000	
To Share Ist Call A/c			1000
To Share Final call A/c			1000
To Share for feited A/c			3000

(Being For feited 500 Share)

अंशों के पुनर्निर्गमन सम्बन्धी लेखे-

Bank A/c	Dr.	2700	
Share forfeiture A/c	Dr	300	
To Share Capital A/c			3000

(Being re-issue of 300 Share@ 9 fully paid)

पूँजी संचय खाते में हस्तान्तरण -

Share forfeiture A/c	Dr.	1500	
To Capital Reserve A/c			1500

(Being Balance of share forfeiture A/c transffered to Capital reserve)

14. **Match List-I with List-II and select the correct answer by using the codes given below the Lists:**
सूची-I को सूची-II के साथ सही सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

सूची-I List-I	सूची-II List-II
A. Prepaid rent पूर्वदत्त किराया	1. Current liability/ चालू दायित्व
B. Bank overdraft बैंक अधिविकर्ष	2. Current assets/ चालू सम्पत्ति
C. Goodwill ख्याति	3. Fictitious assets/ बनावटी सम्पत्ति
D. Profit & Loss A/c (Dr.)/लाभ-हानि खाता (डेबिट)	4. Intangible assets अमूर्त सम्पत्ति

Codes:/कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	4	3
(c)	3	4	1	2
(d)	4	1	3	2

Ans. (b) सूची (I) का सूची (II) के साथ सही सुमेल इस प्रकार है-

सूची-I	**सूची-II**
A. पूर्वदत्त किराया	2. चालू सम्पत्ति
B. बैंक अधिविकर्ष	1. चालू दायित्व
C. ख्याति	4. अमूर्त सम्पत्ति
D. लाभ-हानि खाता (डेबिट)	3. बनावटी सम्पत्ति

15. **Manager's commission is given at the rate of 10% on the profits after giving commission to him. If the profit before giving commission is ₹1,54,000, then payable commission will be**

मैनेजर को कमीशन, उसको कमीशन देने के पश्चात् के लाभों पर, 10% की दर से दिया जाता है। यदि कमीशन देने से पूर्व लाभ ₹1,54,000 हो, तो देय कमीशन होगा

(a) ₹14,000
(b) ₹15,000
(c) ₹16,000
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : कमीशन देने के पश्चात बचे हुए शुद्ध लाभ पर कमीशन की गणना (Commission on net profit after Charging such Commission) -

$$\text{कमीशन} = \frac{\text{शुद्ध लाभ (कमीशन घटाने के पूर्व)} \times \text{कमीशन की दर}}{100 + \text{कमीशन की दर}}$$

$$= \frac{1,54,000 \times 10}{100+10} = \frac{1,54,000 \times 10}{110} = ₹14,000$$

16. | | |
|---|---|
| **Opening Debtors** **प्रारम्भिक देनदार** | **10,000** |
| **Sales Returns** **विक्रय वापसी** | **7,000** |
| **Bad Debts** **अप्राप्त ऋण** | **3,000** |
| **Cash Received from Debtors** **देनदारों से प्राप्त रोकड़** | **40,000** |
| **Closing Stock** **अन्तिम रहतिया** | **13,000** |

Find out the amount of credit sales.
उधार बिक्री की राशि ज्ञात कीजिए।

(a) ₹ 63,000
(b) ₹ 53,000
(c) ₹ 46,000
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : उधार विक्रय ज्ञात करने के लिए कुल देनदारों का खाता (Total Debtors Account) तैयार किया जाता है। इस खाते के क्रेडिट पक्ष के योग में से डेबिट पक्ष की राशि को घटाकर जो राशि निकलती है, उसे उधार बिक्री की राशि कहा जाता है। उधार बिक्री (Credit sales) डेबिट पक्ष में दिखायी जाती है।

Total Debtors A/c

Dr. Cr.

Particulars	Amount	Particulars	Amount
To Balace b/d (opening Debtors)	10,000	By Cash A/c (Cash recieved from Debtors)	40,000
To Credit Sales (Balancing Figure)	53,000	By Sales Return (In ward)	7,000
		By Bad Debts	3,000
		By Balance c/d (Closing Debtors)	13,000
	63,000		63,000

17. A and B are partners of 5 : 3 ratio. C Joins and the new ratio agreed 4 : 2 : 2. Find out the sacrificing ratio of A and B.
A तथा B, 5 : 3 के अनुपात में साझेदार है। C प्रवेश करता है और नया अनुपात 4 : 2 : 2 तय हो जाता है। A तथा B का त्याग किया गया अनुपात ज्ञात कीजिए।

(a) 1 : 2
(b) 1 : 3
(c) 1 : 1
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : A तथा B का लाभ विभाजन अनुपात = 5 : 3, C के प्रवेश पर A, B तथा C का नया लाभ अनुपात = 4 : 2 : 2

तो -

त्याग अनुपात = पुराना अनुपात - नया अनुपात

अतएव

$$\text{A का त्याग अनुपात} = \frac{5}{8} - \frac{4}{8} = \frac{1}{8}$$

$$\text{B का त्याग अनुपात} = \frac{3}{8} - \frac{2}{8} = \frac{1}{8}$$

$$\text{अत: A तथा B का त्याग अनुपात} = \frac{1}{8} : \frac{1}{8} = 1:1$$

18. As per the rule of garner versus Murray, any loss that arises due to being insolvent of any partner should be divided among other partners in their
गार्नर बनाम मरे के नियम अनुसार, किसी साझेदार के दिवालिया होने के कारण हुई हानि को अन्य साझेदारों में बाँटा जाना चाहिए उनके

(a) profit and loss sharing ratio
लाभ-हानि बंटन अनुपात में,
(b) capital ratio/पूँजी अनुपात में,
(c) average of both ratios/दोनों अनुपातों के औसत में,
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : गार्नर तथा मर्रे के नियम के अनुसार, किसी साझेदार के दिवालिया होने के कारण हुई हानि को अन्य साझेदारों में लाभ-हानि बंटन अनुपात में बाँटा जाना चाहिए, जबकि पूँजी की कमी को शेष साझेदारों को पूँजी अनुपात में वहन करना पड़ता है।

19. Loan on mortgage is shown in
बन्धक का ऋण दिखाया जाता है

(a) Liabilities side of Balance Sheet
आर्थिक चिट्ठे के दायित्व पक्ष में
(b) Assets side of Balance Sheet
आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में

(c) Debit side of Profit & Loss A/c
लाभ-हानि खाते के डेबिट पक्ष में

(d) Credit side of Profit & Loss A/c
लाभ-हानि खाते के क्रेडिट पक्ष में

Ans. (a) : बन्धक पर ऋण को उधारकर्ता (Barrower's) के आर्थिक चिट्ठे के दायित्व पक्ष में चालू दायित्व के रूप में दिखाया जाता है। जबकि ऋणदाता (Lender's) के आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में चालू सम्पत्ति के रूप में लिखा जाता है।

20. Stock A/c is a
रहतिया खाता है, एक

(a) Personal A/c/व्यक्तिगत खाता
(b) Nominal A/c/नाममात्र खाता
(c) Real A/c/वास्तविक खाता
(d) Statement/वितरण

Ans. (c) : रहतिया खाता, वास्तविक स्रोत की श्रेणी में आता है। यह एक दृश्य वास्तविक खाता है। ऐसे खाते जो किसी वस्तु, सम्पत्ति या अधिकारों से सम्बन्धित हो, वास्तविक खाते कहलाते है, जैसे- रोकड, माल, फर्नीचर, यन्त्र, रहतिया, भूमि, भवन, ट्रेडमार्क, पेटेण्ट, ख्याति आदि। वास्तविक खाते दो प्रकार के होते है-
I. मूर्त वास्तविक खाता
II. अमूर्त वास्तविक खाता

21. Depreciation is caused by
ह्रास का कारण होता है

(a) price fluctuations/मूल्य उच्चावचन
(b) accident/दुर्घटना
(c) use of asset/सम्पत्ति का प्रयोग
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : किसी भी सम्पत्ति के मूल्य में, उसके निरन्तर प्रयोग से घिसावट एवं क्षय से अप्रचलित होने से, समय के व्यतीत होने तथा अन्य कारणों से मूल्य में जो कमी होती है, उसे ह्रास (Depreciation) कहते है। मूल्य ह्रास निम्नलिखित कारणों से होता है-
1. घिसावट एवं क्षय 2. अप्रचलित होने से 3 समय व्यतीत होने पर 4. समाप्त होने पर।

22. Goodwill is a/ an
ख्याति है, एक

(a) Current asset/चालू सम्पत्ति
(b) Liquid asset/तरल सम्पत्ति
(c) Fixed asset/स्थायी सम्पत्ति
(d) Intangible asset/अमूर्त सम्पत्ति

Ans. (d) : ख्याति खाता, एक अमूर्त सम्पत्ति खाता की श्रेणी में आता है। अमूर्त वास्तविक खाते की श्रेणी में उन सम्पत्तियों के खाते आते है, जिन्हे छूआ या देखा नहीं जा सकता। इनका कोई वास्तविक शरीर, रुप एवं आकार नहीं होता है अन्य सम्पत्तियों या वस्तुओं की तरह इनके मूल्य को मापा जा सकता है और इनका क्रय-विक्रय किया जा सकता है, जैसे- ख्याति, ट्रेडमार्क, एकस्व अधिकार (Patent Rights), कॉपीराइट आदि के खाते।

23. Preliminary expenses of a company should be shown in the final accounts on
एक कम्पनी के अन्तिम खातों में प्रारम्भिक व्ययों को दिखाया जाता है।

(a) Assets side of Balance Sheet
आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में

(b) Liabilities side of Balance Sheet
आर्थिक चिट्ठे के दायित्व पक्ष में

(c) Debit side of Trading A/c
व्यापारिक खाते के डेबिट पक्ष में

(d) Credit side of Profit & Loss A/c
लाभ-हानि खाते के क्रेडिट पक्ष में

Ans. (a) : एक कम्पनी के अन्तिम खातों में प्रारम्भिक व्ययों को आर्थिक चिट्ठे (B/S) के सम्पत्ति पक्ष में दिखाया जाता है। आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष के विविध व्यय (Misc. Exp.) शीर्षक के अन्तर्गत अवास्तविक सम्पत्तियों को दिखाया जाता है। इन सम्पत्तियों को धीरे-धीरे अपलिखित कर दिया जाता है। निम्नलिखित मदों को इस शीर्षक में दिखाया जाता है-

i. प्रारम्भिक व्यय
ii. अंशों के निर्ममन पर कटौती
iii. ऋणपत्रों के निर्गमन पर कटौती
iv. अंशों एवं ऋणपत्रों के निर्गमन पर व्यय
v. लाभ-हानि खाते का डेबिट शेष

24. Which of the following is not a current asset?
निम्नलिखित में से कौन-सी चालू सम्पत्ति नहीं है?

(a) Bank overdraft/बैंक अधिविकर्ष
(b) Closing stock/अन्तिम रहतिया
(c) Debtors/देनदार
(d) Bills receivable/प्राप्य विपत्र

Ans. (a) : बैंक अधिविकर्ष चालू दायित्व की श्रेणी में शामिल है, शेष अन्तिम रहतिया, देनदार तथा प्राप्य विपत्र को चालू सम्पत्तियों की श्रेणी में शामिल किया जाता है। चालू सम्पत्तियाँ व चालू दायित्व इस प्रकार है -

चालू दायित्व	चालू सम्पत्तियाँ
लेनदार (Creditor) देय विपत्र (B/P) बैंक अधिविकर्ष (Bank O/D) अदत्त व्यय (Outstanding Exp.) अग्रिम आय (Advance Income)	रोकड़ (Cash) बैंक (Bank) देनदार (Debtor) प्राप्त विपत्र (B/R) चालू निवेश (Current Investment) स्टॉक (Stock) पूर्वदत्त व्यय (Prepaid Expanse) अर्जित आय (Accrued Income)

25. Premium received on issue of shares is shown in
अंशों के निर्गमन पर प्राप्त प्रीमियम दिखाया जाता है

(a) Assets side of Balance Sheet
आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में
(b) Liabilities side of Balance Sheet
आर्थिक चिट्ठे के दायित्व पक्ष में
(c) Credit side of Profit & Loss A/c
लाभ-हानि खाते के क्रेडिट पक्ष में
(d) Debit side of Profit & Loss A/c
लाभ-हानि खाते के डेबिट पक्ष में

Ans. (b) : अंशों के निर्गमन पर प्राप्त प्रीमियम की राशि को आर्थिक चिट्ठे के दायित्व पक्ष में संचित एवं आधिक्य (Reserve and Surplus) शीर्षक के अन्तर्गत दिखाया जाता है। इस शीर्षक में निम्नलिखित मदों को लिखा जाता है-
1. सामान्य संचय (General Reserve)
2. पूँजी संचय (Capital Reserve)
3. लाभ-हानि क्रेडिट शेष (P/L Cr. Balance)
4. प्रतिभूति प्रीमियम संचय (Security Premium Reserve)
5. अंशों का हरण (Share forfeiture)

26. Discount allowed on reissue of forfeited shares is debited to
अपहृत अंशों के पुन:निर्गमन पर दी गयी छूट को डेबिट किया जाता है

(a) Share Capital A/c/अंश पूँजी खाता में
(b) Profit & Loss A/c/लाभ-हानि खाता में
(c) Forfeited Shares A/c/अपहृत अंश खाता में
(d) Discount on Issue of Shares A/c
अंश निर्गमन पर छूट खाता में

Ans. (c) : अपहृत अंशों (forfeited Share) के पुन: निर्गमन पर दी गयी छूट को अंश हरण खाता (forfeited Share A/c) में डेबिट किया जाता है। उदाहरणार्थ-
अशों के छूट पर पुननिर्गमन का लेखा-

Bank A/c	Dr.
Share Forfeiture A/c	Dr. (Discount)
To Shere Capital A/c	

(Being share forfeiatedre and re-issue of Share with discount)

27. Goods worth ₹ 500 have been taken by the proprietor for his personal use, for which no entry has been passed in the books. This is an
स्वामी द्वारा अपने निजी प्रयोग हेतु ₹500 की सामग्री ली गई, जिसका बहियों में कोई लेखा नहीं किया गया। यह है एक

(a) error of compensation/क्षतिपूर्ति त्रुटि
(b) error of principle/सैद्धान्तिक त्रुटि
(c) error of commission/करण -त्रुटि
(d) error of omission/चूक त्रुटि

Ans. (d) : स्वामी द्वारा अपने निजी प्रयोग हेतु ₹500 की सामग्री ली गई, जिसका बहियों में कोई लेखा नही किया गया, ऐसी दशा में यह एक चूक त्रुटि (Error of Omission) होगी।
यदि प्रारम्भिक लेखे में किसी सौदे का लेखा छूट गया है अर्थात् यदि जर्नल में किसी भी सौदे का भूल से कोई भी लेखा नही हुआ है, तो वह खाताबही से भी खतियाने से स्वभावत: ही छूट जाएगा और जब खाताबही में कोई खाता है ही नही तो वह तलपट में आ ही नही सकता। अतएव यह भूल तो है किन्तु इसका प्रभाव तलपट के मिलने पर नही पड़ता है।

28. Contra entries in cashbook are made when
रोकड़-बही में प्रति-प्रविष्टि की जाती है, जब

(a) Petty Cashbook is maintained
लघु रोकड़-बही रखी गयी है
(b) Simple Cashbook is prepared
सामान्य रोकड़-बही तैयार की जाती है
(c) Triple Column Cashbook is maintained
तीन खानों वाली रोकड़-बही रखी जाती है
(d) All of the above/उपर्युक्त सभी

Ans. (c) : रोकड़ बही में प्रति प्रविष्टि (Contra-Entry) तब की जाती है। जब किसी लेन-देन का प्रभाव रोकड़ बही के दोनों खातों को (एक में रोकड़ तथा दूसरे में बैंक) प्रभावित करे तो यह Contra Entry कहलाती है। यह दो खाने वाली रोकड़ बही तथा तीन खाने वाली रोकड़ बही दोनों में सम्भव होती है। इसलिए खाता पृष्ठ (L.F.) वाले खाने में अंग्रेजी का अक्षर 'C' लिख दिया जाता है। उभय पक्ष प्रविष्टि एक ही तिथि पर होती है।

29. Under hire-purchase system, the formula to calculate value of stock at cost equivalent is
किराया-क्रय पद्धति के अन्तर्गत, लागत समतुल्य पर रहतिये के मूल्य की गणना हेतु सूत्र है

(a) Selling Price- Variable Cost
विक्रय मूल्य - परिवर्तनशील लागत
(b) Installment Outstanding/ Selling Price × Cash Price /अदत्त किस्त/ विक्रय मूल्य × नकद मूल्य
(c) Rate of Interest/100 + Rate of Interest
ब्याज की दर/ 100 + ब्याज की दर
(d) Actual Average Profit- Normal Profit
वास्तविक औसत लाभ - सामान्य लाभ

Ans. (b) : 'किराया-क्रय' पद्धति के अन्तर्गत, लागत समतुल्य पर रहतिये के मूल्य की गणना हेतु निम्नलिखित सूत्र का प्रयोग किया जाता है।

$$\text{लागत समतुल्य पर रहतिये का मूल्य} = \frac{\text{अदत्त किश्त}}{\text{विक्रय मूल्य} \times \text{नकद मूल्य}}$$

30. Share warrants can be issued when shares are
अंश अधिपत्र निर्गमित किया जा सकता है, जबकि अंश

(a) fully paid/पूर्व प्रदत्त हो
(b) partly paid/आंशिक प्रदत्त हो
(c) lost/खो गया हो
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : अंश अधिपत्र (Share warrants) का निर्गमन केवल पूर्वदत्त अंशों (Fulty paid-up) के लिए होता है। अंश अधिपत्र का स्वामी कम्पनी का सदस्य नही होता, परन्तु अन्तर्नियम के अनुसार कम्पनी का सदस्य बन सकता है। इसका हस्तान्तरण सुपुर्दगी मात्र से हो जाता है। निजी कम्पनी इसका निर्गमन नही कर सकती है। इसमें लिखित अंशों को संचालकों के योग्यता अंशों में सम्मिलित नहीं किया जाता है।

31. Partner by estoppel is a
गत्यारोध द्वारा साझेदार होता है

(a) Partner with limited power
सीमित अधिकार वाला साझेदार
(b) Nominal partner/नाममात्र का साझेदार
(c) Sleeping partner/निद्रालु साझेदार
(d) Partner under special situation
विशेष परिस्थितियों में साझेदार

Ans. (d) : गत्यारोध द्वारा साझेदार (Partners by Estoppel) वह होता है, जिसे विशेष परिस्थितियों में साझेदार मान लिया जाता है। यदि कोई व्यक्ति मौखिक या लिखित शब्दों से अथवा अपने आचरण से ऐसा कार्य करता है कि दूसरे को यह विश्वास हो जाए कि वह फर्म में साझेदार है, यद्यपि वह साझेदार नही है, तथापि दूसरे व्यक्ति इसी विश्वास पर उस फर्म को ऋण देते है, तो ऐसी स्थितियाँ ऋणदाताओं के लिए वह गात्यारोध द्वारा साझेदार माना जाएगा।

32. A partnership firm is illegal when
एक साझेदारी फर्म अवैध होती है, जब

(a) Any of the partners is from enemy country
कोई एक साझेदार शत्रु देश का हो
(b) Established for unlimited period
वह असीमित समय के लिए स्थापित हो
(c) There are seven partners/उसमें सात साझेदार हों
(d) Registered under the Partnership Act
उसका निबन्ध साझेदारी अधिनियम के अन्तर्गत हो

Ans. (a) : एक साझेदारी फर्म निम्नलिखित परिस्थितियों में अवैध मानी जाती है-
i. कोई एक साझेदार शत्रु देश का हो,
ii. दो से कम अथवा 50 से अधिक साझेदार होने पर
iii. एक को छोड़कर सभी साझेदारों के दिवालिया होने पर,
iv. न्यायालय द्वारा साझेदारी के समापन की घोषणा किए जाने पर,
v. उद्देश्यों के अवैध होने पर,
vi. साझेदारी फर्म श्रमहित व राष्ट्र हित के विरुद्ध होने पर,
vii. साझेदारी का संचालन अयोग्य व्यक्ति जैसे पागल, या अवयस्क द्वारा किए जाने पर।

33. Which of the following is not included in the Memorandum of Association?
निम्नलिखित में से कौन-सा पार्षद सीमा नियम में शामिल नहीं किया जाता है?

(a) Name clause/नाम वाक्य
(b) Jurisdiction clause/क्षेत्राधिकार वाक्य
(c) Object clause/उद्देश्य वाक्य
(d) Liability clause/दायित्व वाक्य

Ans. (b) : कम्पनी अधिनियम के अनुसार पार्षद सीमानियम में निम्नलिखित 6 वाक्यों का उल्लेख है-
1. कम्पनी का नाम वाक्य
2. रजिस्टर्ड कार्यालय वाक्य
3. कम्पनी का उद्देश्य वाक्य
4. दायित्व वाक्य
5. पूँजी वाक्य
6. संघ वाक्य

34. Which of the following features is not present with partnership form of organization?
निम्नलिखित में से कौन-सा लक्षण साझेदारी संगठन में विद्यमान नहीं है?

(a) Perpetual succession/अविच्छिन उत्तराधिकार
(b) Unlimited liability/असीमित दायित्व
(c) Creation by an agreement
एक समझौता द्वारा सृजन
(d) Voluntary registration/ऐच्छिक पंजीकरण

Ans. (a) : साझेदारी संगठन के लक्षणों को दो प्रमुख भागों में बाँटा जा सकता है-
A. वैधानिक लक्षण-
i. कम से कम दो व्यक्तियों का होना
ii. किसी वैध कारोबार का होना
iii. समझौता द्वारा साझेदारी का सृजन
iv. उद्देश्य लाभ कमाना
v. कारोबार के लाभों को आपस में बाँटना
vi. प्रत्येक साझेदार फर्म का एजेण्ट या स्वामी
B. सामान्य लक्षण-
i. असीमित दायित्व
ii. कार्य संचालन सभी या किसी एक के द्वारा
iii. पृथक अस्तित्व नही
iv. फर्म का निश्चित नाम
v. सद्विश्वास होना
vi. व्यक्ति ही साझेदार
vii. हित हस्तान्तरण
viii. स्वैच्छिक पंजीकरण एवं संगठन
Note- अविछिन्न उत्तराधिकार कम्पनी की विशेषता है।

35. **'Inspiring is an integral element of**
'प्रेरण' एक अन्तर्निहित तत्व है

(a) Staffing/स्टाफिंग का
(b) Organizing/आयोजन का
(c) Directing/निर्देशन का
(d) Controlling/नियन्त्रण का

Ans. (c) : प्रेरणा निर्देशन का एक अन्तर्निहित तत्व है। निर्देशन प्रबन्ध का वह महत्वपूर्ण कार्य है जो संगठित प्रयत्नो को प्रारम्भ करता है। निर्देशन के अन्तर्गत निम्न चार क्रियायों को सम्मिलित किया जाता है-
पर्यवेक्षण (Supervision)
सम्प्रेषण (Communication)
नेतृत्व (Leadership)
अभिप्रेरणा या प्रेरणा (Motivation or Inspiring)

36. **Strongest Letter of Credit is**
प्रबलतम उधारी विपत्र है-

(a) Confirmed/पुष्टियुक्त
(b) Irrevocable/अप्रतिसंहरणीय
(c) Confirmed and irrevocable
पुष्टियुक्त एवं अप्रतिसंहरणीय
(d) Revocable/प्रतिसंहरणीय

Ans. (c) : पुष्टियुक्त एवं अप्रतिसंहरणीय प्रवलतम उधारी प्रपत्र होता है।

37. **Delegation of authority makes the size of the organization**
अधिकारों का भारार्पण संगठन का आकार बनाता है

(a) Small organization/छोटा संगठन
(b) Large organization/बड़ा संगठन
(c) Very large organization/बहुत बड़ा संगठन
(d) Mini organization/अति लुघ संगठन

Ans. (b) : अधिकारों का भारार्पण या अन्तरण (Delegation of Authority) संगठन के आकार को बड़ा बनाता है। अधिकारों के भारार्पण द्वारा ही प्रबन्धकीय ढाँचा तैयार होता है। इसके अन्तर्गत विभिन्न स्तर के कर्मचारियों के अधिकार एवं दायित्व निश्चित किए जाते है और तब उनसे परिणामों की आशा की जाती है। अधिकारों का भारार्पण किए बिना किसी भी अधिनस्थ कर्मचारी को किसी भी कार्य के लिए उत्तरदायी नही ठहराया जा सकेगा।

38. **A company is said to have been incorporated when**
एक कम्पनी समामेलित मानी जाती है, जब

(a) necessary documents have already submitted to the registrar/रजिस्ट्रार के पास आवश्यक प्रलेख पहले ही जमा कर दिये जायें
(b) certificate of incorporation has been obtained from the registrar
रजिस्ट्रार से समामेलन-प्रमाणपत्र प्राप्त हो जाये
(c) it actually starts business
वह वास्तव में व्यवसाय आरम्भ कर दे
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : एक कम्पनी समामेलित मानी जाती है, जब उसे रजिस्ट्रार से समामेलन प्रमाण पत्र प्राप्त हो जाता है। जब रजिस्ट्रार को इस बात का सन्तोष हो जाता है कि कम्पनी द्वारा समामेलन से सम्बन्धित सभी आवश्यक एवं वैधानिक व्यवस्थाएं पूरी कर दी गई है और यह इस अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत की जाने के लिए अधिकृत है तो वह जमा किए गये प्रलेखों का पंजीयन करके अपने पास रख लेता है और कम्पनी के नाम से समामेलन प्रमाण-पत्र निर्गमित कर देता है। यह प्रमाणपत्र कम्पनी अधिनियम की धारा 7 कम्पनी अधिनियम 2013 के अनुसार इस बात का निश्चयात्मक प्रमाण (Conclusive Proof) होता है कि कम्पनी द्वारा पंजीकरण से सम्बन्धित सभी आवश्यकताओं एवं कार्यवाहियों का पालन किया गया है तथा संस्था कम्पनी के रूप में पंजीकृत होने की अधिकारी है।

39. **Span of supervision refers to**
पर्यवेक्षण-विस्तार से आशय है

(a) number of subordinates/अधीनस्थों की संख्या
(b) extent of supervision/पर्यवेक्षण की सीमा
(c) quality of supervisor/पर्यवेक्षण का गुण
(d) nature of supervision/पर्यवेक्षण का प्रकृति

Ans. (a) : पर्यवेक्षण विस्तार (Span of Supervision) से तात्पर्य अधिनस्थों की संख्या से है। दूसरे शब्दों में प्रबन्ध अथवा नियन्त्रण के विस्तार से आशय अधिनस्थों के उस अनुकूलतम संख्या से है, जिसका एक अधिकारी प्रत्यक्ष रूप से प्रभावी पर्यवेक्षण एवं नियन्त्रण कर सकता है। सामान्यत: कोई भी कार्यालय प्रबन्धक 6 से अधिक अधिनस्थों के कार्य का पर्यवेक्षण नही कर सकता है।

40. **Functional organization is based on**
क्रियात्मक संगठन आधारित है

(a) specialization only/केवल विशिष्टीकरण पर
(b) generalization only/केवल सामान्यीकरण पर
(c) both specialization and generalization
विशिष्टीकरण एवं सामान्यीकरण दोनों पर
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : क्रियात्मक संगठन (Functional Organisation) विशिष्टीकरण पर आधारित है। एफ. डब्ल्यू. टेलर ने वैज्ञानिक प्रबन्ध के अन्तर्गत संगठन के लिए प्रारुप का प्रतिपादन किया है, वह क्रियात्मक संगठन ही है। क्रियात्मक संगठन पद्धति पारित करने का मुख्य उद्देश्य मुख्यत: दो सिद्धान्तों को स्वीकार करना हैं। ये सिद्धान्त इस प्रकार है -
i. विशिष्टीकरण का सिद्धान्त
ii. संगठनात्मक सन्तुलन का सिद्धान्त

41. **The Father of Scientific Management is**
वैज्ञानिक प्रबन्ध का जनक है

(a) Peter Drucker/पीटर ड्रकर